

**असम्भ्य वि.** (तत्.) 1. जो सम्भ्य न हो, अशिष्ट, असंस्कृत, गँवार 2. जो सभा के योग्य न हो 3. जंगली बिलो. सम्भ्यता।

**असम वि.** (तत्.) 1. जो बराबर न हो 2. असमान, बेजोड़ 3. ऊँचा-नीचा बिलो. सम पुं. 1. अर्थालंकार का एक भेद जिसमें उपमान का मिलना असंभव दिखाया जाए 2. भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित एक राज्य 3. बुद्ध।

**असमंजन पुं.** (तत्.) तालमेल का अभाव, दूसरों के साथ समायोजन न कर पाना, असमंजस्य।

**असमंजस पुं.** (तत्.) 1. दुविधा, कठिनाई 2. अड़चन 3. अनौचित्य, अंतर 4. महाराज सगर का ज्येष्ठ पुत्र, अंशुमान का पिता **वि.** (तत्.) 1. अस्पष्ट 2. अनुचित 3. मूर्खतापूर्ण 4. असंगत बिलो. समंजस।

**असमकालिक वि.** (तत्.) जो एक ही समय में न हो, भिन्नकालिक, अतुल्यकालिक। alochronic

**असमग्र वि.** (तत्.) अधूरा, अंशमात्र, जो समग्र अर्थात् पूरा न हो बिलो. समग्र।

**असमत स्त्री.** (अर.) 1. अस्मत, इस्मत, सतीत्व 2. पातिव्रत 3. पवित्रता।

**असमता स्त्री.** (तत्.) असमानता, विषमता, भिन्नता, असाम्य। बिलो. समता।

**असमत्व पुं.** (तत्.) दे. असमता।

**असमन्वय पुं.** (तत्.) दे. असमंजन।

**असमपर्णी वि.** (तत्.) वह वृक्ष जिसके पत्ते विभिन्न आकारों के होते हैं।

**असममित वि.** (तत्.) 1. जो असम माप का हो 2. (वस्तु) जिसके विभिन्न अवयवों का परस्पर ठीक अनुपात न हो अथवा जिसके अवयवों में संतुलन न हो 3. (वस्तु) जिसके अंगों में से एक या अनेक उचित स्थान पर हो 4. जो सुडैल न हो।

**असममिति स्त्री.** (तत्.) सममिति का न होना। किसी अंगी के विभिन्न अंगों में रूप, आकार,

माप तथा अनुपात की दृष्टि से पूर्ण समानता के न होने की स्थिति, बेडौल होने का भाव।

**असमय पुं.** (तत्.) 1. बुरा समय, अनुचित काल 2. कुअवसर **क्रि.वि.** बेवक्त, बेमौके **वि.** अनुपयुक्त या अनुचित अवसर पर होने वाला जैसे- असमय मृत्यु।

**असमर्थ वि.** (तत्.) 1. अशक्त, दुर्बल, सामर्थ्यहीन, अक्षम 2. जिसमें अपेक्षित शक्ति या योग्यता न हो 3. काव्य. अभीष्ट अर्थ व्यक्त न कर सकने वाला बिलो. समर्थ।

**असमर्थता स्त्री.** (तत्.) 1. असमर्थ होने का भाव, शक्तिहीनता 2. अयोग्यता 3. अशक्तता, अपंगता बिलो. समर्थता।

**असमवाय कारण पुं.** (तत्.) दर्श. जो समवाय कारण न होकर सहयोगी कारण हो, जैसे 'घट' के निर्माण में मिट्टी समवाय कारण और कुम्हार का चक्र, दंडादि असमवाय कारण हैं पर्या. उपादन कारण बिलो. समवाय कारण।

**असमवायी वि.** (तत्.) जो समवाय अर्थात् (सदा) संबंध रखने वाला न हो 2. आकस्मिक 3. पृथक्करणीय बिलो. समवायी।

**असमवृत्त पुं.** (तत्.) वे वार्षिक छंद जिनके चारों चरण एक जैसे न हों।

**असमस्त वि.** (तत्.) 1. अधूरा, अपूर्ण, आंशिक 2. जो एकत्र न हो 3. असंबद्ध 4. व्या. समास रहित। बिलो. समस्त।

**असमाधानप्रद वि.** (तत्.) 1. जिसे दूसरे की शंकाओं का समाधान न हो 2. जिसका कोई हल न हो।

**असमाधानप्रद उत्तर पुं.** (तत्.) किसी के द्वारा दिया गया ऐसा उत्तर या स्पष्टीकरण जो शंकाओं के समाधान के लिए पर्याप्त नहीं हो।

**असमाधेय वि.** (तत्.) (ऐसी समस्या या प्रश्न) जिसका समाधान या हल न हो या न निकाला जा सके।

**असमान वि.** (तत्.) जो समान या तुल्य न हो, असदृश, असमकक्ष पुं. (फ़ा.) दे. आसमान।